समाहरणालय, मधेपुरा
(गोपनीय शाखा)
पत्रांक ..... /गो0

प्रेषक,

जिलाधिकारी
मधेपुरा।

सेवा में,

अनुमण्डल पदाधिकारी, मधेपुरा /उदाकिशुनगंज
सभी प्रखंडों के प्रभारी उप समाहर्त्ता, मधेपुरा जिला।

मधेपुरा, दिनांक.....2014

विषय : पशु चिकित्सालयों /कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की औचक जांच के संबंध में।

प्रसंग : प्रधान सचिव, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-33 /प्र0स0को0, दिनांक-24-02-2014

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में कहना है कि पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अधीन खोले गये पशु चिकित्सालयों एवं कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र विभिन्न क्षेत्रों में अनियमित रूप से चल रहे हैं, जिसके फलस्वरूप पशुओं के टीकाकरण तथा कृत्रिम गर्भाधान का कार्य काफी प्रभावित हो रहा है, फलस्वरूप पशु चिकित्सालयों /कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की औचक जांच विभिन्न जांच दलों से कराने का निदेश दिया गया है।

अतः उक्त पत्र की छायाप्रति संलग्न कर भेजते हुए निदेश दिया जाता है कि विभाग द्वारा दिये गये निदेश के आलोक में विभिन्न पशु चिकित्सालयों /कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की औचक जांच किया जाए तथा जांच प्रतिवेदन अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने की कृपा की जाए, जिससे कि विभाग को उक्त प्रतिवेदन भेजा जा सके।

अनुलग्नक : प्रधान सचिव, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार,
पटना के पत्रांक-33 /प्र0स0को0, दिनांक-24-02-2014 की छायाप्रति।

विश्वासभाजन
ह0/-
जिलाधिकारी
मधेपुरा।

ज्ञापांक...557..... /गो0, मधेपुरा, दिनांक...25/02/2014

प्रतिलिपि : जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, मधेपुरा को सूचनार्थ एवं ई-मेल से भेजने हेतु प्रेषित।

25/02/14
जिलाधिकारी
मधेपुरा।

14 18:51 06122230842 DIRECTOR AH #5962 P.001

वरीय प्रभारी पदाधिकारी
शाखा गोपनीय शाखा

समाहरणालय
24 FEB 2014
मधेपुरा

पत्रांक 33/प्र.स.को.-

बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

प्रेषक

सुभाष शर्मा,
प्रधान सचिव

सेवा में,

सभी जिला पदाधिकारी,
(बिहार)

पटना-15, दिनांक- 24.2. /2014

विषयः-पशु चिकित्सालयों/कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की औचक जाँच के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि विभिन्न स्रोतों से शिकायत मिल रही है कि पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अधीन खोले गये पशु चिकित्सालयों एवं कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र विभिन्न क्षेत्रों में अनियमित रूप से चले रहे हैं जिसके फलस्वरूप पशुओं के टीकाकरण तथा कृत्रिम गर्भाधान का कार्य काफी प्रभावित हो रहा है तथा इससे सरकार/विभाग की छवि धूमिल हो रही है। सभी जिला पशुपालन पदाधिकारियों के पास इन पशु चिकित्सालयों/कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों तथा उनमें पदस्थापित चिकित्सकों एवं अन्य कर्मियों की सूची उपलब्ध है। अतः अनुरोध है कि कार्यहित एवं जनहित में इन सबकी जाँच विभिन्न जाँच दलों से औचक रूप से अविलम्ब करायी जाय तथा उक्त प्रतिवेदन अविलम्ब भेजने का कष्ट किया जाय।

कृपया इसे प्राथमिकता दी जाय।

SDMs/SDCs

विश्वासभाजन,

24/2

(सुभाष शर्मा)
प्रधान सचिव,

24/02/14